

# Online संस्कृत पाठशाला ( विद्ययाऽमृतमश्नुते )



- गुप्तकालीनअभिलेखः

संयोजकाः  
Online संस्कृत पाठशालायाः  
सदस्याः

## गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तर कालीन अभिलेख

1->

समुद्रगुप्त का इलाहाबाद (प्रयाग) स्तम्भलेख

- स्थान :- इलाहाबाद, उ.प्र. (मूलतः कौशाम्बी में था जो इलाहाबाद लाया गया)  
भाषा - संस्कृत  
लिपि - ब्राह्मी  
काल - समुद्रगुप्त (लगभग 335 - 376 ई०)  
विषय - समुद्रगुप्त का जीवन-परिचय तथा उपलब्धियाँ

Online संस्कृत पाठशाला

2->

चन्द्रगुप्त द्वितीय का मथुरा शिलालेख (वर्ष 61)

- स्थान :- चण्डू-भण्डू की वाटिका, मथुरा उ.प्र.  
लिपि - गुप्त ब्राह्मी  
भाषा - संस्कृत  
काल - गु. सं. 61 (380 ई०)  
विषय - शिवलिङ्ग और शैवार्थों के प्रति भावना



ONLINE SANSKRIT PATHSHALA

## Online संस्कृत पाठशाला

3. > पन्द्र का मेहरौली लौह स्तम्भ लेख  
स्थान :- मेहरौली, जिला दिल्ली  
लिपि - संस्कृत ब्राह्मी  
भाषा - संस्कृत  
काल - पन्द्रगुप्त II के काल का (लगभग 377-413 ई०)  
विषय - पन्द्रगुप्त II के धार्मिक उपलब्धियों का उल्लेख
4. > कुमारगुप्त प्रथम का बिलसड़ स्तम्भ लेख  
स्थान :- बिलसड़, एटा जिला, अलीगंज तहसील, उ०प्र०  
लिपि - उत्तर भारतीय ब्राह्मी  
भाषा - संस्कृत  
काल - 96 तिथि का उल्लेख  
विषय - शैवीपासना से सम्बन्धित है।  
(ध्रुवशर्मा नामक ब्राह्मण द्वारा कार्तिभूषणमन्दिर का निर्माण उल्लेख मिलता है।)

Contact number - 8118992209



5. >

कुमार गुप्त प्रथम का वर्ष 128 का दामोदर नाम पट्ट अभिलेख  
स्थान :- दामोदरपुर  
भाषा - संस्कृत  
लिपि - उत्तरी-प्राची  
काल - शु. सं. 128 (447 AD)  
विषय - भूमि कय करने का विवरण

Online संस्कृत पाठशाला

6. >

स्कन्दगुप्त का इन्दौर नाम पट्ट अभिलेख (इन्द्रपुर या इन्द्रापुर)  
स्थान :- उ. प्र. के वर्तमान जिला बुलन्दशहर में दिमाई परमने के टीले के समीप वाली एक नदी के पास । (इन्दौर वर्णन)  
लिपि - उत्तर भारतीय प्राची, भाषा - संस्कृत  
काल - सं. 140 तथा फाल्गुन मास  
विषय - देवविष्णु शास्त्राण द्वारा सूर्यमन्दिर में प्रतिदिन दीप-दान हेतु 2 पल तेल के निमित्त तैलिक-श्रेणी-दान एकजित करने का उल्लेख ।

# Online संस्कृत पाठशाला

३.) स्कन्दगुप्त का भितरी-स्तम्भ-अभिलेख

स्थान :- भितरी, जि०-गाजीपुर, उ०प्र०

लिपि - ग्राही, भाषा - संस्कृत

काल - स्कन्दगुप्त-कालीन (५५५-६० ई०)

विषय - स्कन्दगुप्त का राजनैतिक-परिज व उपलब्धियों का उल्लेख।  
पितृ पुष्प हेतु शारङ्गी-विग्रह-प्रतिष्ठा तथा ग्राम दान

४.) प्रभावती गुप्ता का पुना ताम्रपत्र अभिलेख

स्थान :- पुना, महाराष्ट्र

भाषा - संस्कृत

लिपि - दक्षिणभारतीय नौकदार शिरवाली ग्राही लिपि

काल - १३वाँ प्रशासन वर्ष (लगभग ५वीं शती ई०)

विषय - गुप्त-वंशावली, वैदण्व-संत-चमालस्वामी की द्रुमुण नामक ग्राम  
तथा प्रशासनिक आदेश वर्णन।

Online संस्कृत पाठशाला

# Online संस्कृत पाठशाला

## 9. तौरमाण का एरण अभिलेख

- स्थान: - एरण, सागर जिला, म.प्र.  
लिपि - उत्तर भारतीय  
भाषा - हि संस्कृत  
काल - Regnal year I  
विषय - महाराज मादविष्णु का निधन तथा तौरमाण का एरण-क्षेत्र पर अधिकार अर्पित होता है।

## 10. मिहिर कुल का ग्वालियर अभिलेख

- स्थान: - ग्वालियर, म.प्र.  
लिपि - उत्तर भारतीय प्राची लिपि, संस्कृत भाषा  
काल - मिहिर कुल के 15वें राज्यवर्ष का उल्लेख  
विषय - अर्धोपासना से सम्बन्धित

दूरवाणी संख्या 8918272581



11.) यशोधर्मन का मन्दसौर-स्तम्भ लेख

स्थान : - मन्दसौर, म० प्र०

लिपि - उत्तर भारतीय ब्राह्मी लिपि, भाषा - संस्कृत

काल - C. 525 - 35 AD

विषय - मिहिरकुल नामक हूणशासक - यशोधर्मन के चरणों में नतमस्तक हुआ - इसका ऐतिहासिक तथ्य का उल्लेख है।

12.) यशोधर्मन - विष्णुवर्धन का मन्दसौर शिलालेख

स्थान : - मन्दसौर, म० प्र०

काल - M.E 589 (532 A.D)

लिपि - उत्तर भारतीय ब्राह्मी लिपि, भाषा - संस्कृत

विषय - प्रस्तुत अभिलेख यशोधर्मन के काल में विष्णुवर्धन द्वारा अंकित कराया गया था।

विष्णुवर्धन यद्यपि राजविशाल तथा परमेश्वर की उपाधि धारण करता है। तथापि वह यशोधर्मन की अधीनता भी प्रगट करता है ॥

13.) आदित्य सैन का अफसद शिलालेख

स्थान : - अफसद, तहसील- नवादा, गया जिला, बिहार

लिपि - उत्तरी ब्राह्मी, भाषा - संस्कृत

काल - लगभग 672 ई०

विषय - मगध गुप्त शासकों का ज्ञान तथा आदित्य सैन के विषय में  
लघु - विवरण देना ।

14.) ईशान वर्मा का हड़ल अभिलेख

स्थान : - हड़ल, जनपद - बाराँकी, उ०प्र०

लिपि - उत्तर भारतीय ब्राह्मी लिपि, भाषा - संस्कृत

विषय - मौर्य वंश के राजाओं की वंशावली ईशानवर्मा तक ।



15.) हर्म का बॉस-खैड़ा ताम्रपट्ट अभिलेख

- स्थान : - बॉसखैड़ा, जनपद-शाहजहाँपुर, उ०प्र०  
लिपि - उत्तर भारतीय ब्राह्मी, भाषा-संस्कृत  
काल - अनिर्दिष्ट सं० ११ (लगभग ६४ ई०)  
विषय - हर्मवर्धन के पूर्वजों का वर्णन एवं उसकी उपलब्धियों का वर्णन

16.) पुलकेशिन II का ऐडोल-अभिलेख

- स्थान : - ऐडोल, जिला-बीजापुर, दक्षिण-भारत, (वत्सपी)  
लिपि - दक्षिण भारतीय ब्राह्मी लिपि, भाषा-संस्कृत  
काल - शक्र संवत् ५५५३  
विषय - रविकीर्ति ने एक मन्दिर बनवाया और वही पर यह लेख लिखकर स्थापित किया।

# Online संस्कृत पाठशाला

17. > प्रतिहार नरेश मिहिरभोज का ज्वालिकर अभिलेख

स्थान : - सागर ताल , ज्वालिकर , म० प्र०  
लिपि - उत्तरी ब्राह्मी , भाषा - संस्कृत  
काल - 880 ई०

Online संस्कृत पाठशाला

18. > स्कन्दगुप्त का गिरनार अभिलेख

स्थान : - यह अभिलेख गुजरात के गिरनार नगर में उसी जगह खुदा गया है जहाँ पर पहले से ही मौर्य सम्राट अशोक का 14 लेख मिला है  
लिपि - गुप्तकालीन ब्राह्मी लिपि , भाषा - संस्कृत  
काल - गुप्त सम्राट 136, 137, 138 ( 455, 56, 57 ई० )

## Online संस्कृत श्रावणशाला

19.) तन्तुवाय श्रौणी का मन्दसौर शिलालेख - (पट्टवाय श्रौणी)

स्थान : - पट्टवाय श्रौणी द्वारा दशपुर (मन्दसौर) के सूर्य-मन्दिर में  
खुदाकर लगवाया गया था।

काल - मालव सम्वत् 529 (472 ई०)

20.) महानामन का बौद्धगया-भाषिलेख

स्थान : - प्रसिद्ध बौद्ध-तीर्थ "बौद्धगया" में एक पत्थर पर उत्कीर्ण मिला।

भाषा - संस्कृत

काल - गुप्त सम्वत् 268 (588 ई०)

विषय - बौद्ध मुनि महानामा द्वारा "भगवान बुद्ध" के मन्दिर बनवाने  
का उल्लेख मिलता है जो वर्तमान में बौद्धों का बौद्धगया  
एक प्रसिद्ध तीर्थ है।

दूरवाणी संख्या - 8918272581/8118992209



११. जीवित गुप्त II का देववर्णिक - अभिलेख

स्थान :- बिहार राज्य के आरा जनपद से 50 कि०मी० दक्षिण-पश्चिम दिशा में "देववर्णिक" ग्राम के एक मन्दिर में स्तम्भ पर उत्कीर्ण है।

भाषा - संस्कृत

काल - अज्ञात

विषय - दान से सम्बन्धित

Online संस्कृत पाठशाला

१२. धारसेन II का मालिका ताम्र पत्र अभिलेख

स्थान :- गुजरात के पुनागढ़ के पास ही स्थित "मालिका" नगर से प्राप्त हुआ है।

काल - 571 ई० (गुप्त-वल्मीकी संवत् 252)

विषय - मैत्रक-वर्गीय राजा तथा उपलब्धियों का वर्णन

१३) यशोवर्म-देव के काल का गालन्दा-शिलालेख  
स्थान :- बड़गाँव, जिला-पटना, गालन्दा बिहार  
लिपि - उत्तरी ब्राह्मी, भाषा - संस्कृत  
काल - ७१५ ई०

# Online संस्कृत पाठशाला

- > कालिदास एवं भारवि का उल्लेख है - पुलकेशिन द्वितीय की ऐहोल प्रशस्ति में
- > दक्षिण-भारत के बादामी के पालुक्कवर्ष से किस प्रशस्ति का सम्बन्ध है ऐहोल प्रशस्ति का
- > "प्रभाग-प्रशस्ति" का रचनाकार है - हरिषेण
- > "ऐहोल-प्रशस्ति" का रचनाकार है - शिवकीर्ति
- > "मन्दसौर" अभिलेख का रचनाकार है - वल्लभट्टी

Online संस्कृत पाठशाला





धन्यवादः